जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com

प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
समन्वयक
9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत
सह–समन्वयक
9461014303

क्रमांक 285 **19 सितम्बर, 2019**

प्रेस–विज्ञप्ति

महाराष्ट्र के 55 कृषकों के दल ने वेटरनरी विश्वविद्यालय में राठी गौवंश के संवर्द्धन कार्यों का लिया जायजा

देशी गौवंश पालन से होगी आर्थिक स्थिति मजबूतः कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा

बीकानेर, 19 सितम्बर। वेटरनरी विश्वविद्यालय में राठी देशी गौवंश की क्षमताओं और उन्नयन कार्यों का जायजा लेने महाराष्ट्र के 55 कृषकों का एक दल गुरूवार को बीकानेर पहुँचा। वेटरनरी विश्वविद्यालय में राज्य की 6 श्रेष्ठ देशी गौवंश नस्लों के संवर्द्धन और विकास कार्यों की गूंज विदेशों के साथ ही देश के कई राज्यों में पहुँच चुकी है। राजस्थान और महाराष्ट्र की समान जलवायु परिस्थितियों में राठी गौंवश का पालन करने में किसानों ने रूचि दिखाई है। नागपुर जिले के अरौली में स्वयंसेवी संगठन "विश्वास" के बैनर तले सामुदायिक तौर पर किसान के खेतों में हरा चारा उत्पादन और वितरण से क्षेत्र के किसान पशुपालन और डेयरी को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति में बदलाव महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और वेटरनरी विश्वविद्यालय इस कार्य में कृषकों का सहयोग कर रही है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा को कृषक दल के सदस्यों ने पशुपालन से आ रहे बदलाव की जानकारी दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि कृषकों द्वारा समूह रूप में फसलों के साथ–साथ हरा चारा उत्पादन व डेयरी व्यवसाय उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाए रखने का एक जरिया बनेगा। उन्होंने कृषकों का आह्वान किया कि वे देशी गौवंश पालन कर जैविक दुग्ध उत्पादन की ओर बढ़ेंगे तो उनकी आय में भी तेजी से बढ़ोतरी होगी और खेती पर निर्भरता कम रहेगी। वेटरनरी विश्वविद्यालय इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण और उन्नत पशुपालन के लिए सदैव तत्पर रहेगा। "विश्वास संस्था" के डॉ. उल्हास नीमकर ने बताया कि नेपियर हरी घास उत्पादन के लिए क्षेत्र के 46 कृषक समूह ने एक वर्ष में हरी घास के उत्पादन, पैकेजिंग और वितरण से डेढ़ करोड़ रूपये की आय अर्जित की है। इससे क्षेत्र में पशुपालन के प्रति तेजी से रूझान बढ़ रहा है। राजुवास के कुलसचिव अजीत सिंह एवं वेटरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता प्रो. राकेश राव ने भी कृषकों को सम्बोधित किया। कुलपति के विशेषाधिकारी प्रो. आर.के. धूड़िया ने सभी कृषकों का आभार जताया और विश्वविद्यालय से तकनीकी परामर्श के बारे में अवगत करवाया। कृषकों ने इससे पूर्व विश्वविद्यालय के पशुधन अनुसंधान केन्द्र में राठी गौवंश के संवर्द्धन, प्रजनन और उन्नयन कार्यों का जायजा लिया। केन्द्र के प्रभारी डॉ. विजय बिश्नोई ने राठी की दुग्ध उत्पादन क्षमता और रखरखाव की जानकारी दी।

वेटरनरी विश्वविद्यालय स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए तीसरे चरण की काऊंसलिंग शनिवार को

बीकानेर, 19 सितम्बर। वेटरनरी विश्वविद्यालय में बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. पाठ्यक्रम (सत्र 2019–20) के प्रथम वर्ष में स्टेट कोटे की सीटों पर प्रवेश के लिए आर.पी.वी.टी.–2019 के आधार पर तृतीय चरण

जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com

प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
समन्वयक
9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत
सह–समन्वयक
9461014303

की काऊंसलिंग 21 सितम्बर 2019 (शनिवार) को प्रातः 9 बजे वेटरनरी कॉलेज के ऑडिटोरियम में शुरू होगी। केन्द्रीय स्नातक भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. ए.पी. सिंह ने बताया कि रिक्त सीटों की काऊंसलिंग के लिए सीट आवंटित अभ्यार्थी की मूल प्रपत्रों की जांच और फीस आदि जमा कर प्रवेश दिया जाएगा। इस काऊंसलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के आवंटन पत्र 18 सितम्बर 2019 को विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.rajuvas.org पर अपलोड कर दिये गये हैं।

समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ